



Literacy for a Billion

Movie: Qayamat Se Qayamat Tak

Year: 1988

Song: Ae Mere Humsafar

Lyricist: Majrooh Sultanpuri

ए मेरे हंसफर
इक ज़रा इंतज़ार
सुन सदाएँ
दे रहीं हैं
मंज़िल प्यार की

ए मेरे हंसफर
इक ज़रा इंतज़ार
सुन सदाएँ
दे रहीं हैं
मंज़िल प्यार की

ए मेरे हंसफर
इक ज़रा इंतज़ार
सुन सदाएँ
दे रहीं हैं
मंज़िल प्यार की

प्यार ने जहाँ पे रखा है
झूम के क़दम इक बार
वहीं पे खुला है कोई रस्ता
वहीं पे गिरी है दीवार

अब है जुदाई का मौसम
दो पल का मेहमाँ
कैसे ना जाएगा अँधेरा
क्यों ना थमेगा तूफ़ाँ

प्यार ने जहाँ पे रखा है
झूम के क़दम इक बार
वहीं पे खुला है कोई रस्ता
वहीं पे गिरी है दीवार

अब है जुदाई का मौसम
दो पल का मेहमाँ
कैसे ना जाएगा अँधेरा
क्यों ना थमेगा तूफ़ाँ

राके कब रुकी है
मंज़िल प्यार की

कैसे ना मिलेगी
मंज़िल प्यार की

ए मेरे हंसफर
इक ज़रा इंतज़ार
सुन सदाएँ
दे रहीं हैं
मंज़िल प्यार की

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.